भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4333

मंगलवार, 19 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

ओडीओपी परियोजनाएं

4333. श्री सुनील बोसः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में, विशेष रूप से कर्नाटक में एक-ज़िला एक उत्पाद (ओडीओपी) परियोजना का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार ब्यौरा क्या है;

(ख) कर्नाटक में ओडीओपी से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या क्या है;

(ग) देश में, विशेष रूप से कर्नाटक में ओडीओपी परियोजनाओं के अंतर्गत आवंटित/जारी और उपयोग की गई धनराशि का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) विशेष रूप से कर्नाटक में ओडीओपी परियोजनाओं के अंतर्गत क्या पहल की गई है?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क): एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) देश के प्रत्येक ज़िले के उत्पादों को बढ़ावा देने की एक पहल है। इसका उद्देश्य देश के प्रत्येक ज़िले से कम से कम एक उत्पाद (एक जिला - एक उत्पाद) का चयन, ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार करना है ताकि सभी क्षेत्रों में समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास को संभव बनाया जा सके। चुने गए उत्पादों में विविधता है और यह देश भर में अलग-अलग हैं, साथ ही यह मौजूदा क्लस्टरों के कई क्षेत्रों और अपने उत्पादों के माध्यम से पहले ही अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने वाले पारंपरिक समुदायों से संबंधित हैं।

ओडीओपी पहल के तहत, देश के 773 जिलों से 1241 उत्पादों की पहचान की गई है। ओडीओपी उत्पादों की पहचान संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) द्वारा की जाती है और अंतिम सूची राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के संबंधित विभागों द्वारा उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) को भेजी जाती है।

कर्नाटक राज्य ने कर्नाटक के 31 जिलों से 60 उत्पादों (31 प्राथमिक, 26 द्वितीयक, 3 तृतीयक श्रेणी के उत्पाद) की पहचान की है और राज्य के भीतर ओडीओपी हितधारकों के संवर्धन और सशक्तीकरण के लिए कई क्रियाकलाप शुरू किए हैं। इनमें से 12 ओडीओपी उत्पाद जीआई (भौगोलिक संकेतक) उत्पाद भी हैं।

कर्नाटक के 60 ओडीओपी उत्पादों का क्षेत्रवार विभाजन नीचे दिया गया है:

श्रेणी	**उत्पादों की संख्या**
कृषि	13
खाद्य प्रसंस्करण	3
हस्तशिल्प	8
हथकरघा	5
विनिर्माण	17
समुद्री	2
वस्त्र	8
अन्य	4
कुल योग	**60**

अद्यतन स्थिति के अनुसार ओडीओपी पहल के तहत कर्नाटक सहित राज्य और जिलेवार पहचाने गए विशिष्ट उत्पादों का विवरण डीपीआईआईटी की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक के अंतर्गत उपलब्ध है:-
https://dpiit.gov.in/sites/default/files/Annexure_LS_4333_18August2025.pdf

(ख) और (ग): एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा बिना किसी वित्तीय घटक के शुरू की गई एक पहल है, इसलिए कर्नाटक में ओडीओपी से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या या ओडीओपी के तहत आवंटित/जारी और उपयोग की गई धनराशि का विवरण उपलब्ध नहीं है।

(घ): कर्नाटक के ओडीओपी उत्पादों सहित सभी ओडीओपी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए की गई कुछ पहलें निम्नानुसार हैं:

क्षमता निर्माण पहल: ओडीओपी, कारीगरों, बुनकरों और किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन करने, उनके कौशल और बाज़ार पहुँच को बढ़ाने के उद्देश्य से, एनआईडी, आईआईटी, एनआईएफटी, कृषि

संस्थानों आदि जैसे अन्य संस्थानों के साथ सहयोग करता है। ओडीओपी ने राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान के सहयोग से, वर्ष 2023 में निम्नलिखित जिलों के लिए डिज़ाइन के संबंध में जागरूकता कार्यशालाएँ आयोजित कीं: कोप्पल, जिसमें किन्हल शिल्प परंपरा के अंतर्गत खिलौनों पर ध्यान केंद्रित किया गया; रामनगर, जिसमें चन्नपटना खिलौनों की विशेषज्ञता है; और मैसूर, जो अपने काष्ठ शिल्प जड़ाई कार्य के लिए जाना जाता है।

ओडीओपी जीईएम बाज़ार: जीईएम के सहयोग से ओडीओपी ने 29 अगस्त 2022 को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर ओडीओपी जीईएम बाज़ार का शुभारंभ किया, जिसमें देश भर में ओडीओपी उत्पादों की बिक्री और खरीद को बढ़ावा देने के लिए इस मंच पर 210 से अधिक उत्पाद श्रेणियां बनाई गईं। वर्तमान में, खरीद को सुव्यवस्थित करने और बाजार में ओडीओपी उत्पादों की विजिबिलिटी और पहुंच बढ़ाने के लिए सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर 500 से अधिक श्रेणियां बनाई गई हैं। ओडीओपी जीईएम बाज़ार में कर्नाटक की 11 श्रेणियां लाइव हैं।

कार्यक्रम/प्रदर्शनियां (घरेलू/अंतर्राष्ट्रीय): ओडीओपी ने मालदीव एक्सपो 2025 में भाग लिया, जो 23-31 मई को हुलहुमाले, मालदीव में आयोजित किया गया था। भारतीय मंडप में कर्नाटक के चन्नपटना खिलौनों जैसे प्रतिष्ठित ओडीओपी उत्पादों की झलक देखने को मिली। ओडीओपी उत्पादों की प्रस्तुति ने मालदीव में भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक कहानी को प्रस्तुत किया, जिसने भारतीय हस्तशिल्प और कारीगरी उत्पादों को वैश्विक अपील प्रदान की, जिससे ओडीओपी ब्रांड को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिली।

राष्ट्रीय ओडीओपी पुरस्कार: ओडीओपी दृष्टिकोण के माध्यम से आर्थिक विकास प्राप्त करने में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों, जिलों और विदेशों में स्थित मिशनों द्वारा किए गए असाधारण प्रयासों को पहचान प्रदान करने और मान्यता देने के लिए डीपीआईआईटी द्वारा वर्ष 2023 में "एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पुरस्कार" की स्थापना की गई है। ओडीओपी पुरस्कार 2024 के लिए राज्य के आवेदन के साथ 13 जिलों ने आवेदन प्रस्तुत किए हैं।

ओडीओपी कैटलॉग: ओडीओपी ने भारत भर के 1000 से अधिक उत्पादों का एक डिजिटल ओडीओपी गिफ्ट कैटलॉग लॉन्च किया है, जिसमें कर्नाटक के ओडीओपी उत्पाद जैसे इल्कल साड़ी, अरेबिका कॉफी, मोलकालमुरु साड़ी आदि भी शामिल हैं।

पीएम एकता मॉल: देश भर के ओडीओपी उत्पादों (एक जिला, एक उत्पाद), भौगोलिक संकेतक (जीआई) उत्पादों और अन्य हस्तशिल्प उत्पादों के संवर्धन और बिक्री के लिए केंद्रीय बजट 2023-24 में इसकी घोषणा की गई थी। इस मॉल में प्रत्येक संघ राज्य क्षेत्र और राज्य के लिए अपने ओडीओपी उत्पादों को प्रदर्शित करने हेतु समर्पित स्थान का प्रावधान है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग की 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता स्कीम 2023-24 (एसएएससीआई)' के भाग- VI (यूनिटी मॉल) के अंतर्गत सभी राज्यों में पीएम एकता मॉल के निर्माण के लिए 5000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। कर्नाटक ने एसएएससीआई-2023-24 के तहत व्यय विभाग द्वारा अनुमोदित 192.99 करोड़ रुपये के बजट के साथ इस परियोजना के लिए मैसूर पैलेस के पास कर्नाटक प्रदर्शनी प्राधिकरण मैदान (केईए), जिसे दशहरा प्रदर्शनी मैदान मैसूरु के रूप में भी जाना जाता है, में 6.5 एकड़ के क्षेत्रफल वाले एक स्थल को चिन्हित किया है।

*****